**मध्य प्रदेश में स्थापित लघु उद्योग**

3950. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में इस समय जिले-वार कितने लघु उद्योग स्थापित किए गए हैं,

(ख) इन उद्योगों में कितने-कितने व्यक्ति दैनिक और मासिक वेतन पर कार्यरत हैं,

(ग) इन उद्योगों के उत्पादों के विपणन की क्या व्यवस्था की गई है,

(घ) क्या इनमें से कुछ उद्योग रुग्ण होते जा रहे हैं; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या उपाय किए जा रहे हैं ?

**उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम)** : (क) उद्योग आयुक्त, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार 31-12-1992 को लघु उद्योग विकास संगठन (सीडी) के क्षेत्राधिकार में आने वाली 1,06,638 लघु इकाइयों को स्थायी आधार पर पंजीकृत किया गया था । इन इकाइयों के जिले-वार ब्यौरे विवरण—I में दिये गये हैं।

(ख) इन उद्योगों में मासिक और दैनिक मजदूरी के आधार पर इस समय कार्य कर रहे कर्मचारियों के अलग-अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं । तथापि, 1989—91 के दौरान विकास आयुक्त (लघु उद्योग) द्वारा की गई लघु औद्योगिक इकाइयों की द्वितीय अखिल भारतीय गणना की रिपोर्ट में दी गई सूचना के अनुसार आंकड़े विवरण—II में दिये गये हैं जिसका आधार वर्ष 1987-88 है ।

(ग) विपणन मुख्यतया एक उद्यमिता कार्य है । तथापि, लघु उद्योग के कार्य आधार पर विचार करते हुए 409 मदों को केन्द्र सरकारी भंडार खरीद कार्यक्रम के तहत खरीदने के लिए आरक्षित किया गया है और राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम में पंजीकृत लघु औद्योगिक इकाइयों को एक ही स्थान पर पंजीकरण योजना के तहत निम्नलिखित विशेष सुविधाएं दी गयीं हैं :—

(1) निःशुल्क टेंडर सेट जारी करना ।

(2) बयाना राशि के भुगतान की छूट ।

(3) जिस वार्षिक सीमा तक इकाई पंजीकृत है उतनी राशि तक सिक्यूरिटी डिपाजिट की छूट ।

(4) बड़ी औद्योगिक इकाइयों के कोटेशनों की तुलना में गुणदोष के आधार पर 15% तक मूल्य वरीयता ।

मध्य प्रदेश सरकार सहित राज्य/केन्द्र शासित सरकारें अपने-अपने नीतिगत उपायों के अनुसार राज्य खरीद कार्यक्रम के तहत उनके उत्पादों को बेचने के लिए लघु औद्योगिक इकाइयों की सहायता करते हैं ।

(घ) जी, हां । भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त सूचना के अनुसार, मध्य प्रदेश में मार्च, 1992 के अंत तक 22,333 रुग्ण लघु औद्योगिक इकाइयां थीं ।

(ङ) राज्य स्तरीय अंतर-संस्थागत समिति और राज्य स्तरीय पुनर्स्थापना समिति के माध्यम से जीव्यक्षम रुग्ण इकाइयों के पुनर्वास के लिए नियमित आधार पर उपाय किये जा रहे हैं । जीव्यक्षम रुग्ण इकाइयों की पुनर्स्थापना में बैंकों द्वारा भी नियमित आधार पर मदद की जा रही है । राष्ट्रीय ईक्विटी निधि से संभावित जीव्यक्षम रुग्ण लघु औद्योगिक एककों को जिनकी परियोजना लागत 10 लाख रुपये से अधिक नहीं है, को 1% वार्षिक सामान्य सेवा प्रभार पर 1,50,000 रुपये तक की दीर्घावधि ईक्विटी सहायता के रूप में वित्तीय सहायता भी उपलब्ध है । लघु औद्योगिक इकाइयों में व्याप्त रुग्णता की समस्याओं का तत्काल समाधान करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को सलाह दी है कि वे रुग्ण औद्योगिक इकाइयों के लिए कार्यवाही करने हेतु मुख्य-मुख्य क्षेत्रीय केन्द्रों में प्रकोष्ठ स्थापित करें और तकनीकी कार्मिकों सहित विशेषज्ञों की सेवा मुहैया करायें ।

## विवरण : I

**मध्य प्रदेश में 31-12-92 को पंजीकृत लघु इकाइयों की जिलेवार प्रमेकित संख्या का विवरण ।**

| क्र० सं० | जिले का नाम | 31-12-92 को इकाइयों की प्रमेकित संख्या |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | खंडवा | 3371 |
| 2. | खरगांव | 8168 |
| 3. | झाबुआ | 276 |
| 4. | इंदौर | 5962 |
| 5. | धार | 1994 |
| 6. | पियमपुर | 349 |
| 7. | देवास | *2460 |
| 8. | उज्जैन | 3983 |
| 9. | मंदसौर | 2274 |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 10. | झाबुआ | 3430 |
| 11. | रतलाम | 2572 |
| 12. | सिहोर | *2013 |
| 13. | भोपाल | 4503 |
| 14. | राजगढ़ | *2821 |
| 15. | रायसेन | *2057 |
| 16. | मंदसौर | *147 |
| 17. | विदिशा | 3159 |
| 18. | बेतुल | *2642 |
| 19. | होशंगाबाद | 2402 |
| 20. | रायपुर | *10448 |
| 21. | दुर्ग | 8603 |
| 22. | राजनंदगांव | *2855 |
| 23. | जगदलपुर | 558 |
| 24. | बिलासपुर | 1290 |
| 25. | रायगढ़ | 7475 |
| 26. | अम्बिकापुर | 4481 |
| 27. | नरसिंगपुर | *2268 |
| 28. | मांडला | 5064 |
| 29. | सिवानी | 1635 |
| 30. | जबलपुर | 12061 |
| 31. | बालाघाट | 2185 |
| 32. | छिन्दवाड़ा | *3692 |
| 33. | भिन्ड | *5487 |
| 34. | मुरैना | 4271 |
| 35. | गुना | 2499 |
| 36. | ग्वालियर | 3599 |
| 37. | दतिया | *1410 |
| 38. | भालनपुर | *206 |
| 39. | शिवपुरी | *2841 |
| 40. | रीवा | 683 |
| 41. | सतना | 3906 |
| 42. | सिधी | 1765 |
| 43. | शहडोल | 679 |
| 44. | सागर | 3559 |
| 45. | छतरपुर | *2873 |
| 46. | टिकमगढ़ | *1720 |
| 47. | पन्ना | 18 |
| 48. | दमोह | 1949 |

*ये आंकड़े अनंतिम हैं।

नोट : जिलों के नाम राज्य उद्योग निदेशालयों द्वारा दिये गये हैं।

## विवरण II

**कर्मचारियों का जिलेवार वर्गीकरण—1987–88**

| क्र. सं० | जिला | कर्मचारियों का वर्गीकरण (संख्या) | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | सीधे भर्ती/ नियमित | दिहाड़ी/ ठेके पर | कुल कर्मचारी | स्वयं नियोजित |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | बालाघाट | 1606 | 1983 | 3589 | 1017 |
| 2. | बस्तर | 2531 | 1274 | 3805 | 1873 |
| 3. | बेतुल | 1080 | 614 | 1694 | 853 |
| 4. | भिन्ड | 2621 | 495 | 3116 | 1846 |
| 5. | बिलासपुर | 1782 | 1849 | 3631 | 1167 |
| 6. | छतरपुर | 2239 | 902 | 3141 | 1919 |
| 7. | छिन्दवाड़ा | 1954 | 1522 | 3476 | 1830 |
| 8. | दमोह | 560 | 373 | 933 | 491 |
| 9. | दतिया | 551 | 126 | 677 | 443 |
| 10. | देवास | 1667 | 182 | 1849 | 988 |
| 11. | धार | 1942 | 1604 | 3546 | 1042 |
| 12. | दुर्ग | 3512 | 3681 | 7193 | 1818 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| 13. | गुना | 1140 | 811 | 1951 | 986 |
| 14. | ग्वालियर | 2121 | 976 | 3097 | 977 |
| 15. | होशंगाबाद | 2621 | 2443 | 5064 | 1859 |
| 16. | इंदौर | 8860 | 1084 | 9944 | 1884 |
| 17. | जबलपुर | 4523 | 5518 | 10041 | 2422 |
| 18. | झबुआ | 736 | 827 | 1563 | 561 |
| 19. | मांडेला | 1467 | 881 | 2348 | 1292 |
| 20. | मंदसौर | 3771 | 804 | 4575 | 2086 |
| 21. | मुरैना | 1030 | 249 | 279 | 443 |
| 22. | नरसिंघपुर | 1288 | 713 | 2001 | 1008 |
| 23. | खण्डवा (पूर्व निमार) | 2415 | 549 | 2964 | 1465 |
| 24. | खारगदम (प० निमार) | 3698 | 1130 | 4828 | 3101 |
| 25. | पन्ना | 2040 | 286 | 1326 | 845 |
| 26. | रायगढ़ | 4011 | 1276 | 5287 | 3074 |
| 27. | रायपुर | 5329 | 4690 | 10019 | 2884 |
| 28. | रायसेन | 1845 | 1018 | 2863 | 996 |
| 29. | राजगढ़ | 1814 | 41 | 1855 | 986 |
| 30. | रतलाम | 1538 | 1422 | 2960 | 971 |
| 31. | रीवा | 1891 | 1372 | 3263 | 1501 |
| 32. | सागर | 2276 | 1592 | 3868 | 1609 |
| 33 | सतना | 3658 | 2217 | 5875 | 2339 |
| 34. | सिहोर | 910 | 1224 | 2134 | 863 |
| 35. | सिवनी | 1686 | 712 | 2398 | 1252 |
| 36. | शाहडोल | 1198 | 4325 | 5523 | 1183 |
| 37. | शाजापुर | 1236 | 699 | 1935 | 1071 |
| 38. | शिवपुरी | 954 | 524 | 1478 | 780 |
| 39. | सिधी | 422 | 395 | 817 | 384 |
| 40. | अंबिकापुर (सरगुजा) | 2029 | 594 | 2623 | 1715 |
| 41. | विलासपुर | 986 | 518 | 1504 | 821 |
| 42. | उज्जैन | 2034 | 1416 | 3450 | 1727 |
| 43. | विदिशा | 1077 | 305 | 1382 | 660 |
| 44. | भोपाल | 5135 | 2327 | 7462 | 1471 |
| 45. | राजनंदगांव | 1911 | 2570 | 4481 | 1330 |
| | कुल | 98695 | 60113 | 158808 | 61833 |

स्रोत : राज्य/संघ शासित उद्योग निदेशालयों में पंजीकृत लघु उद्योगों की द्वितीय अखिल भारतीय गणना ।

**Setting up of Industrial Teckaological Parks**

3951. SHRI SATISH PRADHAN : Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

*(a)* the number of Industrial Technological Parks proposed by Government, State-wiss; and

(b) what are the parameters for deciding the location of Industrial Technolofiical F.'rk ?

THE! MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SMT. KRISHNA SAHI) : (a) There is no proposal with the Government for setting up of Industrial Technological Parks in the Country.

*(b)* Do not arise.